Gujarat Vaibhav

Edition: Ahmedabad | **Date:** July 01, 2009 | **Page No:** 11 | **Category:** Krishna Hospital

घुटना प्रत्यारोपण की गई तकनीक में फिजीयोथेरेपी की जरूरत नहीं

अहमदाबाद। घुटनों के प्रत्यारोपण की सर्जरी के बाद अब मरीज को फिजीयोथेरोपी की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह संभव हुआ है मिनीकल इन्वेसीव सर्जरी (एमआईएस) नामक नई तकनीक से। चद्रा क्लीनिक एवं कृष्णा हार्ट एण्ड सुपर स्पेश्यलिटी इन्टीट्यूट के ज्वाइंट प्रत्यारोपण विभाग के प्रमुख डॉ.के.सी.मेहता ने बताया कि एमआईएस तकनीक से अभी तक 250 मरीजों का सफल प्रत्यारोपण ऑपरेशन किया जा चुका है। डॉ.मेहता ने बताया कि एमआईएस तकनीक से अब एक छोटा ऑपरेशन करना पड़ता है। मरीज दो से चार दिन के भीतर ऑपरेशन के बाद चल-फिर सकता है। साथ ही ऑपरेशन के 3-4 दिन बाद उसे अस्पताल से छुट्टी भी दे दी जाती है। नई तकनीक से किए गए ऑपरेशन के बाद 95 प्रतिशत मरीज अपने आप चलने-फिरने लायक हो जाता है। डॉ.मेहता ने बताया कि प्रत्यारोपण का मतलब पूरी तरह किसी दूसरे अंग को परिवर्तित करना नहीं है। प्रत्यारोपण में साधारण ऑपरेशन भी होते हैं। उन्होंने बताया कि इस नई तकनीक का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू फिजीयोथेरोपी से पाना करना है। इस नई तकनीक से ऑपरेशन कराने में डेढ़ से तीन लाख रुपए का खर्च आता है। इस अवसर पर कृष्णा हार्ट एण्ड सुपर स्पेश्यलिटी इंस्टीट्यूट अहमदाबाद के प्रबंध निदेशक डॉ.अनिमीष चौरासी ने बताया कि उनके अस्पताल ने समय-समय पर मेडिकल के क्षेत्र में अत्याधुनिक पद्धतियों से मरीजों का इलाज कर एक नया इतिहास बनाया है। उन्होंने बताया कि कृष्णा हार्ट एण्ड सुपर स्पेश्यलिटी इंस्टीट्यूट केद्रों में आईएसओ की मान्यता प्राप्त 100 क्लास ऑपरेटिंग कमरे, सहित क्लास 100 ऑपरेशन थिएटर ज्वाइंट प्रत्यारोपण के लिए आरक्षित रहते हैं।